6. परिसूचियाँ (Inventories)—परिसूचियाँ एक विशेष प्रकार की मानकीकृत प्रश्नावली (Standardized Questionnaire) होती हैं। मनोवैज्ञानिकों ने व्यक्तियों (छात्रों) के भिन्न-भिन्न पक्षों के मापन के लिए भिन्न-भिन्न परिसूचियों का निर्माण किया है; जैसे—रूचि परिसूचियाँ (Interest Inventories), व्यक्तित्व परिसूचियाँ (Personality Inventories)। और रुचि परिसूचियाँ और व्यक्तित्व परिसूचियाँ भी कई-कई प्रकार की बनाई हैं; जैसे—मैथेमेटिक्स इन्टरेस्ट इनवैन्टरी (Mathematics Interest Inventory), विज्ञान इन्टरेस्ट इनवैन्टरी (Science Interest Inventory); परसेनालीटि ट्रेट्स इनवैन्टरी (Personality Traits Inventory) और एडजस्टमेन्ट इनवैन्टरी (Adjustment Inventory)। यहाँ हम दो परिसिूचियों के उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं—

1. एल०एन० दुबे द्वारा तैयार **मैथेमैटिक्स इन्टरेस्ट इनवेन्टरी** के कुछ पद (Item) देखिए—

पद संख्या-2—मेरी राय में गणित एक अनिवार्य विषय के रूप में पढ़ाया जाना चाहिए। हाँ/नहीं

पद संख्या-8—मैं गणित अध्यापकों से हमेशा डरता हूँ। हाँ/नहीं

पद संख्या-15—मैं खाली समय में गणित के सवाल हल करना पसन्द करता हूँ। हाँ/नहीं

पद संख्या-35—गणित का कालांश मुझे काफी लम्बा लगता है। हाँ/नहीं

2. **हाई सकूल व्यक्तित्व परिसूची** के उदाहरण देखिए—

पद संख्या-5. क्या तुम किसी भेद भरी बात को आसानी से छिपाए रख सकते हो?

a. हाँ b. कभी-कभी c. नहीं

पद संख्या-16. क्या तुम काम के बिगड़ जाने पर भी खुश रहते हो?

a. हाँ b. अनिश्चित c. नहीं

पद संख्या-24. सत्य का उल्टा है—

a. कल्पना b. झूँठ c. अस्वीकार

पद संख्या-127. क्या तुम यह बनना ज्यादा पसन्द करोगे?

a. अध्यापक b. अनिश्चित c. वैज्ञानिक

किसी भी परिसूचि का प्रशासन बड़ी सावधानी से करना होता है। सर्वप्रथम इसके प्रशासन के लिए शान्त एवं स्वच्छ पर्यावरण (कमरे) की व्यवस्था की जाती है। इसके बाद विषयी (छात्र) अथवा छात्रों को उनकी अपनी सीट/सीटों पर बैठाया जाता है और उनसे बातचीत द्वारा सौहार्द स्थापित किया जाता है। समय शुरू होने पर परिसूचियाँ वितरित की जाती हैं और समय समाप्त होने पर एकत्रित कर ली जाती हैं।

Scanned with CamScanner

अन्त में मैनुअल (Manual) में दिए गए निर्देशों के अनुसार परिसूचियों पर अंकन (Marking) किया जाता है और फलांकन (Score) ज्ञात कर निर्णय लिए जाते हैं।

परिसूचियों का निर्माण मुख्य रूप से मनोवैज्ञानिक परीक्षणों के लिए किया जाता है और इनका प्रयोग भी उसी क्षेत्र में किया जाता है और छात्रों की भिन्न-भिन्न मानसिक योग्यताओं एवं क्षमताओं के मापन के लिए भिन्न-भिन्न मानकीकृत परिसूचियों का प्रयोग किया जाता है। इनका सर्वाधिक प्रयोग व्यक्तित्व मापन में होता है।

सामान्यतः यह देखा जाता है कि सौहार्द स्थापित करने के बाद भी अधिकतर छात्र परिसूचियों में निहित प्रश्नों के उत्तर निष्पक्ष भाव से नहीं देते। उस स्थिति में इनसे प्राप्त परिणामों पर पूर्ण रूप से विश्वास नहीं किया जा सकता।

Scanned with CamScanner